

किसी पदार्थ पर प्राकृतिक चिह्न या दाग 3. लक्षण 4. पताका, ध्वजा 5. स्मृति चिह्न 6. पहचान, छाप, मुहर 7. पता मुहा. निशान देना-यादगार के लिए कोई वस्तु देना, पता-ठिकाना बताना।

निशानची वि. (फा.) 1. सही निशाना लगाने में अत्यंत कुशल, लक्ष्य को सही ढंग से वेधने वाला पुं. राज. राष्ट्रपति की सवारी निकालने के समय या किसी विशेष जुलूस या शोभायात्रा के अवसर पर झंडा लेकर आगे-आगे चलने वाला व्यक्ति।

निशाना पुं. (फा.) 1. वह स्थान या बिंदु जिस पर धनुष, बंदूक आदि अस्त्रों से लक्ष्य साधा जाए, लक्ष्य 2. वह व्यक्ति जिसे लक्ष्य बनाकर उस पर व्यंग्य बाण छोड़े जाएँ मुहा. निशाना बनना- किसी के आघात का लक्ष्य होना, मारा जाना; निशाना बाँधना/साधना- सही लक्ष्य पर निशाना मारने को तैयार होना; निशाना लगाना/ मारना- सही लक्ष्य पर आघात करना।

निशानाथ पुं. (तत्.) 1. रात्रि का स्वामी, चंद्रमा 2. कपूर पर्या. निशापति।

निशानी स्त्री. (तत्.) 1. हमेशा याद रहने योग्य कोई चिह्न, पहचान, वस्तु 2. स्मृति चिह्न, यादगार जैसे किसी के द्वारा सम्मानपूर्वक या स्नेहपूर्वक भेंट की गई वस्तु 3. पहचान का कोई चिह्न जैसे- उनके घर के सामने आम का पेड़ ही उनके घर की निशानी है।

निशानेबाज पुं. (फा.) अच्छा निशाना लगाने में सिद्ध/माहिर, अचूक लक्ष्यवेधी दे. निशानची खेल. सही निशाना लगाने में दक्ष खिलाड़ी।

निशानेबाजी स्त्री. (फा.) 1. निशाना लगाने की कला/क्रिया 2. निशाना लगाने का अभ्यास या निशाना लगाने में उत्तम कुशलता खेल. निर्धारित लक्ष्य को निशाना बनाकर राइफल, पिस्तौल आदि से उसे वेध देने की खेल प्रतियोगिता या इससे संबंधित कला, कौशल।

निशापति पुं. (तत्.) दे. निशानाथ।

निशाभीति स्त्री. (तत्.) एक मानसिक रोग जिसमें रोगी को रात से भय लगता है।

निशावसान पुं. (तत्.) 1. रात्रि के समाप्त होने का समय 2. भोर, प्रभात, प्रातःकाल, सुबह।

निशास्ता पुं. (फा.) 1. गेहूँ का सत्तू, गेहूँ का सार 2. (चावल आदि का) मांड़।

निशि स्त्री. (तत्.) रात, रात्रि (संस्कृत में सप्तमी एक वचन का रूप हिंदी में इसी रूप में प्रयुक्त) जैसे- निशिवासर-रात और दिन।

निशिकर पुं. (तत्.) चंद्रमा दे. निशाकर।

निशिचर पुं. (तत्.) राक्षस, चोर दे. निशाचर।

निशिचारी पुं. (तत्.) दे. निशाचर।

निशित वि. (तत्.) 1. किसी धारदार चाकू, तलवार आदि को सान पर चढ़ाकर तेज किया हुआ, पैना 2. तीक्ष्ण, तेज।

निशिदिन पुं. (तत्.) रात और दिन क्रि.वि. 1. रात दिन 2. सदा, हमेशा पर्या. निशिवासर।

निशिनाथ पुं. (तत्.) चंद्रमा।

निशिपति पुं. (तत्.) चंद्रमा दे. निशानाथ।

निशिपान पुं. (तत्.) चंद्रमा।

निशिवासर क्रि.वि. (तत्.) 1. रात दिन 2. सदा दे. निशिदिन।

निशीथ पुं. (तत्.) 1. अर्धरात्रि, आधीरात 2. रात।

निशीथनाथ पुं. (तत्.) चंद्रमा।

निशीथिनी स्त्री. (तत्.) रात्रि।

निशुंभ पुं. (तत्.) 1. हत्या, वध 2. भग्नीकरण, तोड़ना 3. (धनुष) को झुकाने की क्रिया 4. एक दैत्य जिसका वध दुर्गा देवी ने किया था।

निशेश पुं. (तत्.) रात्रि का स्वामी चंद्रमा पर्या. निशानाथ, निशापति।

निशोथ पुं. (तत्.) आर्द्रभूमि में पुष्ट होने वाली एक प्रकार की लता, कंद जो औषधोपयोगी होता है टि. लता या पुष्प के रंग के अनुसार निशोथ के तीन भेद हैं 1. सफेद निशोथ 2. काला निशोथ 3. लाल निशोथ।